# ज्ञानदीप


भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge



संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677 रेलवे: 55860
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in



वर्ष – 18 | अंक – 72 | अक्टूबर – दिसंबर 2014


**ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge**

**सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं**

## इस अंक में


1. इरिसेन दिवस समारोह
2. मेडल,शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
3. प्रशिक्षण प्रबंधकों का सेमिनार
4. अचीवर सीरीज
5. सतर्कता जागरूकता सप्ताह
6. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान
7. भा.रे.इंजी.से.बैच 2013 का परिचय
8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 125 वीं बैठक
9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
11. स्वागत
12. विदाई
13. सृजन (कविता)


ज्ञानदीप के 18 वें वर्ष का यह आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। वर्ष 2013 के नवंबर माह में बहुप्रतीक्षित सपनों को साकार करते हुए इरिसेन नए भवन में स्थानांतरित हुआ। गत वर्ष इस भवन को जीआईबीसी द्वारा लीड इंडिया प्लैटिनम रेटिंग एवं इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस(आईबीसी) द्वारा बेस्ट इंस्टीट्युशन बिल्डिंग का सम्मान प्राप्त हुआ। वर्ष 2014 में संस्थान ने अनेक उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं – अध्यापन पाठ्यक्रमों का विस्तार, डिमॉन्स्ट्रेशन यार्ड को शामिल करना, मॉडल रूम को नया रूप देना, सिविल इंजीनियरिंग में काम आनेवाली सामग्रियों को प्रयोगशाला के डिस्प्ले एरिया में प्रदर्शित करना, 'अचीवर सीरीज लेक्चर' का प्रारंभ करना इत्यादि।

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे के लिए 22 अप्रैल, 2014 का दिन अविस्मरणीय रहा जब भा.रे.इंजी.से. के 2011 बैच के परिवीक्षार्थियों को महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी से राष्ट्रपति भवन में मिलने का मौका मिला। उस अवसर पर भारत सरकार, रेल मंत्रालय के पदेन प्रधान सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, माननीय श्री अरूणेंद्र कुमार, निदेशक, इरिसेन श्री विश्वेश चौबे के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित रूप से उपस्थित थे। राजभाषा के प्रचार–प्रसार में मुख्य भूमिका निभाते हुए इरिसेन में गणतंत्र दिवस, इरिसेन दिवस, रेल सप्ताह, स्वतंत्रता दिवस, राजभाषा सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं दीक्षा समारोह आदि का आयोजन राजभाषा में किया जाता है। इस संस्थान पर सिविल इंजीनियरों को नाज है। इसकी विशिष्टता को देखते हुए यादगार के रूप में इस बार इरिसेन दिवस के अवसर पर एक सोवेनियर शॉप की शुरूआत की गई। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हुए गतवर्ष इरिसेन में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

संस्थान पहले से ही भा.रे.इंजी.से. के अधिकारियों को अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देता रहा है। इसी क्रम में, संस्थान में भिन्न –भिन्न विषयों पर 71 पाठ्यक्रम एवं 8 सेमिनार आयोजित किए गए, इनमें 1850 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। जो वर्ष 2013 की तुलना में 8% अधिक है। आईआरएसई परिवीक्षार्थियों के प्रथम एवं द्वितीय चरण का प्रशिक्षण तथा समेकित पाठ्यक्रमों की समीक्षा कर ट्रैक मशीन एवं फील्ड प्रशिक्षण पर अधिक जोर देना शुरू किया गया। इसी प्रकार, फरवरी 2014 से रेलपथ के मेंटेनेंस के लिए जिम्मेदार सीनियर सेक्शन इंजीनियरों को भी उच्च श्रेणी की तकनीकी सुविधाओं सहित अत्याधुनिक प्रशिक्षण देना प्रारंभ किया गया है। अत: भारतीय रेल के इंजीनियरों को आधुनिक प्रशिक्षण मुहैया कराने के दायित्व का पालन करते हुए इरिसेन ने वर्ष 2014 में एक कदम और बढ़ाया है। संस्थान की सभी समग्र गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा 'ज्ञानदीप' सूचना–पत्र के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। आपके सहयोग, प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझाव का हमें सदैव से अपेक्षा रहेगी.....''

*मुख्य संपादक*

## 1. इरिसेन दिवस समारोह

इरिसेन में दिनांक 01 नवंबर, 2014 को 'इरिसेन दिवस' बड़े धूमधाम से मनाया गया। 'इरिसेन दिवस' के शुभ अवसर पर भारत सरकार के पदेन सचिव एवं सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड माननीय श्री वी. के. गुप्ता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड के साथ मंच पर श्री विश्वेश चौबे, निदेशक इरिसेन भी उपस्थित थे।

माननीय श्री एम. एस. एकबोटे, रिटायर्ड अपर सदस्य सिविल इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री जी. एन. फड़के, रिटायर्ड महाप्रबंधक, पू. सी. रेलवे, श्री विनोद कुमार, रिटायर्ड महाप्रबंधक, मेट्रो रेल, कोलकाता एवं पूर्व निदेशक (इरिसेन), श्रीमती सुनीता अवस्थी , रिटायर्ड अपर सदस्य, बजट, रेलवे बोर्ड, आलोक कुमार, कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजी. (सामान्य) रेलवे बोर्ड, श्री एम. के. गुप्ता, मुख्य प्रशा. अधिकारी (नि.), मध्य रेल, श्री सुनीत शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक पुणे एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं रिटायर्ड अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

श्री गौतम बिहाड़े, प्राध्यापक, कार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। अपने

संबोधन में आपने इरिसेन के इंफ्रास्ट्रक्चरल विकास जैसे कि डिमॉन्स्ट्रेशन यार्ड, लेबोरेटरी में डिस्प्ले एरिया, नवीनतम उद्घाटित इको–फ्रेंडली जिम के संबंध में चर्चा की। आपने हाल में आरंभ किए गए अचीवर सीरीज लेक्चर एवं आईआरएसई के लिए वी.सी.ए.पद्मनाभन नकद पुरस्कार की भी जानकारी दी।


संरक्षक
**विश्वेश चौबे**
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
**शरद कुमार अग्रवाल**
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
**अरुणाभा ठाकुर**
वरिष्ठ अनुवादक

श्री वी. के. गुप्ता, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने 57 वें भा. रे. इंजी. सेवा दिवस पर उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और इरिसेन दिवस की शुभकामनाएं दीं। आपने रेल सेवा में उच्च पदों पर पदस्थ चुनौती भरे कार्यों को अंजाम दे रहे 1988 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने और उनकी उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी। आपने सभी युवा प्रोबेशनर को सिविल इंजीनियरिंग को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए उन्हें बधाई दी। आपका मानना है कि सिविल इंजीनियरिंग व्यवसाय अत्यंत चुनौती भरा है क्योंकि उसमें आपके द्वारा निष्पादित कार्य विकासोन्मुखी एवं लोक कल्याणकारी होते हैं। आपके द्वारा निर्मित सुदृढ़ संरचनाएं आपके उत्तरदायित्वों का बोध कराती हैं। इसलिए सिविल इंजीनियरों को चुनौती भरे कार्य के प्रति गौर्वान्वित होने का अवसर प्राप्त होता है।

आपने रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्लानिंग एवं सर्वे पर अधिक ध्यान देने पर जोर दिया, अन्यथा ऐसेट के अनुरक्षण में ज्यादा प्रयास करना पड़ सकता है। आपने इरिसेन से उम्मीद जताई कि प्रोबेशनरों को अच्छे व्यावसायिक गुण सिखाए जाएं जिससे योजना बनाने और उसे कार्यान्वित करने में वे अपने कौशल का परिचय दें और रख रखाव पर व्यर्थ के लगने वाले समय एवं श्रम को बचाएं। इरिसेन से बाहर इनका पहला कदम नेतृत्व का होगा और भविष्य में यही रेलवे के प्रधान मुख्य इंजीनियर, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), महाप्रबंधक एवं बोर्ड के सदस्य होंगे। इसलिए, इरिसेन और फैकल्टी के उत्तरदायित्व की सीमाएं बढ़ गई हैं।

आपने कहा कि सुरंग निर्माण, भू–विज्ञान तथा भू–भौतिकीय जांच के संबंध में उन्नत निर्माण तकनीक की मदों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि दूरदराज में तैनात युवा प्रोबेशनरों द्वारा निर्णायक वक्त पर इनका सदुपयोग किया जा सके और वरिष्ठों पर उनकी निर्भरता कम हो। उन्हें अपने काम के संबंध में वृहद जानकारी हो। निरीक्षण आदि पर जाने से पहले विषयों को दोहरा लें, कोड मैनुअल देख लें ताकि वहां अपना संपूर्ण योगदान दे सकें और परिस्थितियों में अधिकाधिक सुधार ला सकें।

आपने कहा कि वाट्स ऐप जैसी सोशल मीडिया पर चैटिंग के समय भी व्यावसायिक विषयों पर भी खुलकर अनुभवों का आदान–प्रदान किया जाए। वैचारिक सकारात्मकता से सही दिशा बोध होता है। शक्तियों का सदुपयोग आवश्यक है। आपने संबोधित किया कि भविष्य चुनौतियों से भरा है। हाईस्पीड कोरीडोर एवं डेडिकेटेड फ्रेट कोरीडोर के युग में प्रोजेक्ट को समयबद्ध रहकर अंजाम देना सबसे बड़ी चुनौती होगी।

आपने प्रोबेशनरों से कहा कि पूर्व संध्या पर बड़े उत्साहपूर्वक एवं उम्दा सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे समक्ष प्रस्तुत किया। आपके कामों में भी हमें इसी उत्साह की उम्मीद है। श्री गुप्ता ने योग पर आधारित ज्ञान प्रबोधिनी स्कूल द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की भी सराहना की।

इरिसेन फील्ड के लिए उपयोगी विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है। 'इरिसेन दिवस' के शुभ अवसर पर सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री वी. के. गुप्ता ने ''इनवेस्टीगेशन ऑफ डिरेलमेंट'' ''टर्नआउट'' (अंग्रेजी वर्शन), ''ब्रिज इंस्पेक्शन ऐंड मेंटेनेन्स'' ''वेल्डिंग टेक्नीक'' 'अंडर वाटर इन्सपेक्शन ऑफ ब्रिज'' का विमोचन किया। इस अवसर पर 1988 बैच के भा.रे.इं.से. अधिकारियों द्वारा कार्यों के प्रभावी संपादन के लिए क्षेत्रीय सशक्तिकरण एवं प्रभावी परियोजना प्रबंधन और जल आपूर्ति प्रबंधन विषय पर आयोजित सेमिनार के बुकलेट तथा ''इरिसेन जरनल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग'' का भी विमोचन किया गया।

'इरिसेन दिवस' के अवसर पर सदस्य' इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री वी. के. गुप्ता ने इरिसेन छात्रावास के पिछले प्रांगण में पर्यावरण के अनुकूल एक आधुनिक जिम का उद्घाटन किया। उक्त अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री विश्वेश चौबे, कार्यकारी निदेशक / सि. इंजी.(सामान्य), रेलवे बोर्ड श्री आलोक कुमार के अलावा सेमिनार में भाग लेने आए अधिकारीगण उपस्थित थे।

## 2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान

हर वर्ष, संस्थान के स्थापना दिवस पर, IRSE Probationery अधिकारी को प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, ट्रॉफी तथा शील्ड प्रदान किए जाते हैं। 57 वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2010 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है :

**उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक / Best Probationer Medal** – यह स्वर्ण पदक रेलवे बोर्ड द्वारा स्थापित किया गया है। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में संस्थान में आयोजित पाठ्यक्रमों, फील्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2010 बैच के **श्री आलिंद शेखर**, सहायक मंडल इंजीनियर /दुर्गापुर /पूर्व रेल को उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक से सम्मानित किया गया।

**आर. के. जैन रोलिंग शील्ड** – यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री आर. के. जैन, के सम्मान में स्थापित की गई है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2010 बैच के **श्री आलिंद शेखर**, सहायक मंडल इंजीनियर /दुर्गापुर /पूर्व रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर. के. जैन रोलिंग शील्ड से सम्मानित किया गया।

**वी. सी. ए. पद्मनाभन नकद पुरस्कार रू. 2000** – यह पुरस्कार पूर्व सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री वी.सी.ए.पद्मनाभन के सम्मान में स्थापित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि में इरिसेन मे आयोजित तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में, सर्वाधिक अंक अर्जित करनेवाले, IRSE Probationery अधिकारी को, यह नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2010 बैच के **श्री आलिंद शेखर**, सहायक मंडल इंजीनियर / दुर्गापुर / पूर्व रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।

**वी. के. जे. राणे, रोलिंग ट्रॉफी** – यह ट्रॉफी श्री वी. के. जे. राणे, पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर इरकॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में यह Leadership, Sports और Cultural क्रिया–कलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान की जाती है।

**इरकॉन स्वर्ण पदक** – यह स्वर्ण पदक इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। यह मेडल पूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2010 बैच के श्री वैभव सकलेचा, सहायक मंडल इंजीनियर, गांधीधाम, पश्चिम रेल को वी. के. जे. राणे, रोलिंग ट्रॉफी एवं इरकॉन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया ।

**आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी** – यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2010 बैच के **श्री रामाराव बी.**, सहायक मंडल इंजीनियर, कड़प्पा , दक्षिण मध्य रेल को **आलोक जैन मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी** से सम्मानित किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा 1988 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह तथा वर्ष 2014 में सम्पन्न समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ठ प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल भी प्रदान किए गए।

## 3. प्रशिक्षण प्रबंधकों का सेमिनार

दिनांक 09 एवं 10 अक्टूबर, 2014 को संस्थान में प्रशिक्षण प्रबंधकों के सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 25 वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारी एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य उपस्थित हुए। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने सेमिनार में उपस्थित सदस्यों को स्वागत भाषण दिया। तदुपरांत पिछले वर्ष के कार्यसूची की समीक्षा की गई तथा तात्कालिक कार्यसूची मदें जैसे कि भूमि एवं लाइसेंस, विविध मद एवं प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की गई। इरिसेन द्वारा ब्रिज इंस्पेक्टर एवं कार्य निरीक्षकों के पाठयक्रम के सुधार पर पावरपाइंट प्रस्तुत किया गया। क्षेत्रीय रेलों द्वारा ग्रुप 'सी' एंड ग्रुप 'डी' के प्रशिक्षण पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

## 4. अचीवर सीरीज

i. संस्थान में दिनांक 12 नवंबर, 2014 को अचीवर सीरीज लेक्चर के लिए लैंको इंफ्राटेक लिमिटेड के भूतपूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मुख्य संचालक श्री स्नेहमय रॉय को आमंत्रित किया गया था। आपने Leader in You Me इस विषय पर लेक्चर दिए। उनका कहना था कि प्रत्येक संगठन का एक मिशन स्टेटमेंट होना चाहिए। मिशन पर कार्य करने में सभी एक जोश एक उमंग महसूस करते हैं जो उस कार्य को अंतिम रूप देने के लिए हमें प्रवृत्त करती है। लीडर का उत्तरदायित्व होता है कि वह सभी को साथ लेकर चले। टीम वर्क आवश्यक है। कार्य करने वाले को किए जाने वाले कार्य का ज्ञान होना चाहिए। लीडर का कर्तव्य है कि वह अपने अधीन काम करने वाले को मोटीवेट एवं इंस्पायर करे। आपके व्याख्यान को सभी प्रशिक्षु अधिकारी, संकाय सदस्यों ने ध्यानपूर्वक सुना और उनसे प्रेरणा ली।

ii. संस्थान में दिनांक 22 दिसंबर, 2014 को अचीवर सीरीज लेक्चर' के लिए सेवा निवृत उप मुख्य इंजीनियर श्री राधाकृष्ण को आमंत्रित किया गया था। पूर्व में आप IRICEN में प्राध्यापक रह चुके हैं। श्री राधाकृष्ण विपासना के प्रख्यात

शिक्षक हैं। श्री राधाकृष्ण ने रेलवे जीवन के कई रोचक वृतांत सुनाए। उनका कहना था 'जहाँ चाह वहां राह'। अर्थात लगन एवं मेहनत के बल पर कार्य को सार्थकता प्रदान की जा सकती है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा एकडायमंड ले–आउट में curved स्वीच लगाने का काम किया गया है जिसे बाद में रेलवे में standardise कर लिया गया।

अपने जीवन के लिए दूसरा सार्थक विचार 'Life is an art of keeping oneself in a state of constant growth' के सात्विक अर्थ एवं उसको जीवन में अपनाने के लिए किए गए प्रयत्न का भी जिक्र किया। सेवानिवृत्ति के उपरांत उन्होंने संस्कृत और पाली भाषा सीखी एवं पाली भाषा की पुस्तकों का तेलुगु में अनुवाद भी किया। उन्होंने विपासना से जुड़े प्रशिक्षु अधिकारियों के सवालों के जवाब भी दिए। श्री राधाकृष्ण के व्याख्यान को सभी परिवीक्षार्थियों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों ने सुना और प्रेरित हुए।

## 5. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारतीय रेल पर दिनांक 27 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2014 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्तव्य के प्रति जागरुकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 को 11.00 बजे संस्थान के ऑडिटोरियम में संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण की। दिनांक 29 अक्टूबर, 2014 को मध्य रेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री टी.पी.सिंह, द्वारा सतर्कता पर आधारित व्याख्यान एवं प्रेजेंटेशन दिए गए।

## 6. रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक सम्मान

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रयोग प्रसार के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। इन्हीं योजनाओं में से एक वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित करने का प्रावधान है।

संस्थान के श्री एन. सी. शारदा, संकाय अध्यक्ष, को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता को देखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2013 के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक' से सम्मानित किया गया। श्री शारदा को यह सम्मान 20 अक्टूबर, 2014 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड श्री अरूणेन्द्र कुमार जी के कर कमलों द्वारा दिया गया। संस्थान की ओर से संकाय अध्यक्ष, श्री एन.सी.शारदा को बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं ।

## 7. भा.रे.इंजी.सेवा बैच 2013 का परिचय

दिनांक दिसंबर, 2014 को नवागंतुक भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2013 बैच के परिवीक्षार्थियों के लिए संस्थान के संकाय से परिचय का सत्र रखा गया था। इस सत्र में संस्थान के निदेशक श्री विश्वेश चौबे ने परिवीक्षार्थियों को संबोधित किया और रेल के कार्यों से संक्षिप्त परिचय कराया। उपस्थित सभी संकाय सदस्यों से भी परिवीक्षार्थियों को परिचित कराया गया और वातावरण सहज बनाने के लिए उनसे प्रश्न भी पूछे गए।

## 8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 125वीं बैठक

दिनांक 05 दिसंबर, 2014 को संस्थान में समिति के अध्यक्ष श्री विश्वेश चौबे, निदेशक इरिसेन पुणे की अध्यक्षता में रा.भा.का.स. की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान में राजभाषा का प्रचार–प्रसार विधिवत हो रहा है। आपने बताया कि सितंबर माह में राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया एवं आयोजित प्रतियोगिताओं, प्रश्न–मंच एवं कवि सम्मेलन में सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। हिंदी में सराहनीय कार्य के लिए रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड, राजभाषा विभाग के सौजन्य से अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड द्वारा संस्थान के सीनियर फैकल्टी श्री एन.सी.शारदा को राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किए जाने पर संस्थान के गौरवान्वित होने पर आपने खुशी जाहिर की। अध्यक्ष महोदय ने राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

श्री शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल ने बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत किया और बताया कि सितंबर माह की तिमाही हिंदी दिवस' के कारण उल्लेखनीय हो जाती है। आपने संस्थान की वेबसाइट पर प्रकाश डाला एवं उसके द्विभाषीकरण के संबंध में अध्यक्ष महोदय को जानकारी दी। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा सप्ताह के सफल आयोजन के लिए उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। राजभाषा के नीति–निर्देशों के अनुपालन पर संतोष व्यक्त किया गया।

## 9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

**सत्र सं. 14103 – समेकित पाठ्यक्रम**

**प्रथम**

**जयशंकर पी.**
सहा.कार्यइंजी./ब्रिज/मुख्या. चेन्नई

**द्वितीय**

**सुनील कुमार गर्ग**
स.मं.इंजी./पश्चिम/भोपाल

## 10. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

| क्र. | पा. सं. | पाठ्यक्रम का शीर्षक | प्रारंभ | समापन |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 15802 | रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट इनवेस्टीगेशन | 19/01/15 | 30/01/15 |
| 2 | 15402 | प्वाइंट एवं क्रॉसिंग, यार्डों की प्लानिंग, एमएक्सम रेल के उपयोग से ट्रैक की डिजाइन | 19/01/15 | 23/01/15 |
| 3 | 15101 | समेकित | 27/01/15 | 16/04/15 |
| 4 | 15701 | आईआरएसई चरण 1(ग्रुप पी) | 02/02/15 | 28/05/15 |
| 5 | 15803 | टीएमएस | 02/02/15 | 06/02/15 |
| 6 | 15804 | प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (रेलपथ) | 09/02/15 | 27/02/15 |
| 7 | 15404 | भू–प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम | 16/02/15 | 20/02/15 |
| 8 | 15805 | कर्व्स् | 23/02/15 | 27/02/15 |
| 9 | 15403 | रेल व्हील इंटरेक्शन एंड डिरेलमेंट इनवेस्टीगेशन | 09/02/15 | 14/02/15 |

## 11. स्वागत

श्री अनिल कुमार पटेल, प्राध्यापक / ट्रैक – 1 ने दिनांक 26 नवंबर 2014 को इरिसेन में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्यालय कोलकाता में उप मुख्य इंजीनियर/कार्य के पद पर कार्यरत थे। श्री पटेल भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं। आपने सहायक मंडल इंजीनियर/ मुरी के रूप में रेल सेवा में कैरियर की शुरुआत की। आपने तामलुक दीघा प्रोजेक्ट में कार्यकारी इंजीनियर/ निर्माण के पद पर भी योगदान दिया। तदुपरांत आपने दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा, विशाखापट्नम एवं चक्रधरपुर मंडलों में मंडल इंजी./ वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ पश्चिम के पद पर योगदान दिया। विशाखापट्नम में आपने KK लाइन सेक्शन में टनेल के रख रखाव का भी कार्य किया। आपने चक्रधरपुर मंडल में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय के पद पर चार वर्ष कार्य किया। मलेशिया में पांच वर्ष रावांग – ईपो डबल ट्रैक प्रोजेक्ट में विभिन्न पदों पर आपने कार्य किया एवं प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपको ट्रैक, ब्रिज एवं बिल्डिंग्स के निर्माण एवं रखरखाव का विस्तृत अनुभव है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

## 12. विदाई

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा, 1980 बैच के अधिकारी श्री आर.सी.बुलचंदानी, वरिष्ठ प्राध्यापक/ पुल, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण दक्षिण मध्य रेल पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), सिकंदराबाद के पद पर हुआ है। संस्थान में लगभग 10 माह तक आपका कार्यकाल रहा। दिनांक 10 अक्टूबर, 2014 को संस्थान के कार्य से आप भारमुक्त हुए। संस्थान आपके उज्जवल भविष्यं की कामना करता है।

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा, 1990 बैच के अधिकारी श्री नीलमणि, प्राध्यपक/ रेलपथ, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर उप मुख्य इंजीनियर, (मालीगांव) के पद पर हुआ है। आपने संस्थान में लगभग 6 वर्षों तक अपनी सेवा दी है। दिनांक 10 अक्टूबर, 2014 को संस्थान के कार्य से आप भारमुक्त हुए। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

## 14. सृजन (कविता)

1) कुछ पल तो साथ चलो
हो सुबह की एक किरण
हो नन्हीं ओस के कण
रौशनी से जगमग ऐसे पथ पर,
कुछ पल तो साथ चलो

2) हो काले बादल छाए नभ में
अंधियारा हर पल हर क्षण
काटों से भरे ऐसे पथ पर
कुछ पल तो साथ चलो

3) कर्म का हो या धर्म का हो पथ,
दुविधा मन में आनी है।
सच्चाई का साथ धरो, और
कुछ पल तो साथ चलो

4) श्वेरत अडिग है यह मेरा मन
कभी विश्वाचस का हो न पतन।
तेरा मेरा त्यातग करो
कुछ पल तो साथ चलो

कीर्ति ठाकुर/ पुत्री श्रीमती अरुणाभा ठाकुर

**जीवन में दो विकल्प होते हैं, स्थितियों को उसी रूप में स्वीकार करना जैसी वे हैं, या उन्हें बदलने का उत्तरदायित्व स्वीकार करना ।**
**– डेनिस बेटले**

**शरद कुमार अग्रवाल**, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design & Printed by Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080